नईदुनिया

ग्वालियर में क्रशर से डस्ट मिलाकर तैयार होती थी नकली सीमेंट

जनकगंज पुलिस ने नकली सीमेंट की फैक्ट्री को पकड़ा है। फैक्ट्री संचालक क्रसर से डस्ट लाकर मिलावटी सीमेंट तैयार करता था। खासबात यह है कि ग्वालियर में यह दूसरी नकली सीमेंट की फैक्ट्री पकड़ी गई है। इससे पहले नकली इंजन आयल और पान मसाले आदि की फैक्ट्री पकड़ी जा चुकीहै।

ग्वालियर (नईदुनिया प्रतिनिधि)। जनकगंज पुलिस ने नकली सीमेंट की फैक्ट्री को पकड़ा है। फैक्ट्री संचालक क्रसर से डस्ट लाकर मिलावटी सीमेंट तैयार करता था। खासबात यह है कि ग्वालियर में यह दूसरी नकली सीमेंट की फैक्ट्री पकड़ी गई है। इससे पहले नकली इंजन आयल और पान मसाले आदि की फैक्ट्री पकड़ी जा चुकी हैं। आरोपित फैक्ट्री संचालक डस्ट मिलाकर जो नकली सीमेंट तैयार करता था उसे एसीसी, अल्ट्राटेक व अन्य बड़ी कंपनियों की सीमेंट के नाम पर बेचा करता था।
ग्वालियर में नकली दवा, नकली इंजन आयल और पान मसाले के बाद अब नकली सीमेंट की फैक्ट्री पकड़ी गई है। जनकगंज पुलिस ने नकली सीमेंट की फैक्ट्री पर छापा मारा है। यहां से भारी मात्रा में नकली सीमेंट और इसे बनाने का सामान मिला है। नकली सीमेंट बनाकर आम लोगों को ठगने वाला संचालक बिलौआ और बिजौली स्थित क्रशर प्लांट से डस्ट खरीदता था, इसे सीमेंट में मिलाकर एसीसी, अल्ट्राटेक और अन्य बड़ी-बड़ी सीमेंट बेचने वाली कंपनियों की हूबहू पैकिंग में भरकर बेचता था। आम लोगों को पता ही नहीं लगता था कि वह नकली सीमेंट खरीद रहे हैं। इस मामले में जनकगंज पुलिस ने कापीराइट एक्ट के तहत एफआइआर दर्ज की है।

जनकगंज स्थित गोल पहाड़िया क्षेत्र में अलग-अलग कंपनियों की पैकिंग में नकली सीमेंट बनाए जाने की सूचना मिल रही थी। इस सूचना पर जनकगंज थाना प्रभारी आलोक सिंह परिहार और उनकी टीम ने शनिवार को यहां दबिश दी। यहां जब पुलिस टीम पहुंची तो अंदर का नजारा चौंकाने वाला था। पूरी फैक्ट्री में डस्ट, सीमेंट और मिट्टी का ढेर लगा था। इसी से नकली सीमेंट तैयार की जा रही थी। इस सीमेंट को बड़ी-बड़ी कंपनियों की हूबहू पैकिंग में रखकर बेचा जा रहा था। यहां से पुलिस ने फैक्ट्री संचालक विष्णु राठौर को पकड़ा है। जिस पर कापीराइट एक्ट के तहत एफआइआर दर्ज की गई है।

ऐसे बनाता था नकली सीमेंट ग्रामीण इलाकों में खपाता था

आरोपित ने बताया कि वह बिलौआ और बिजौली स्थित क्रशर प्लांट से डस्ट खरीदता था। इसके बाद मिट्टी और कुछ सीमेंट मिलाकर इसे छापता था। यह मिलावटी सीमेंट बनाकर वह कंपनियों के पैकेट में भरता

था। अधिकांश माल शहर के आउटर इलाके और ग्रामीण इलाके में बेचता था, क्योंकि यहां लोग बिल भी नहीं लेते।

Source: https://www.naidunia.com/madhya-pradesh/gwalior-fake-cement-was-prepared-by-mixing-dust-with-crusher-in-gwalior-7869323